रींगस से थोड़ी देर में रहता | By Sanjeev Kumar (Hansi)

राजस्थान के सीकर में एक धाम बड़ा ही निराला सै
रींगस से थोड़ी देर में रहता मेरा खाटू वाला सै
सबको मुंह माँगा फल देता ये तो बड़ा दिलवाला है
रींगस से थोड़ी देर में रहता मेरा खाटू वाला सै

बाबा के भक्तों का मेला चलता पूरे साल है
जो भी आता श्याम धणी के होता मालोमाल है
देर नहीं करता मेरा बाबा पल में देने वाला है
रींगस से थोड़ी देर में रहता मेरा खाटू वाला सै

रींगस से लेकर निशान जो खाटू पैदल जाता है
समझो उसका ये जीवन तो स्वर्ग जैसा हो जाता है
सबके दु:ख और सबकी विपदा ये तो हरने वाला है
रींगस से थोड़ी देर में रहता मेरा खाटू वाला सै

आंधी आये तूफां आये चाहे काली रात हो
भगत नहीं रुकते तेरे बाबा कितनी भी बरसात हो
विजयराज को डर क्यों लागे साथ में जग रखवाला है
रींगस से थोड़ी देर में रहता मेरा खाटू वाला सै

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a5%80%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%b8-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a5%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a4%a4/